3 राजस्थान का प्राचीन पौराणिक, ऐतिहासिक स्वरूप व जनपद युग

1. राजस्थान के किस शिलालेख के अनुसार मालव जनपद के राजा श्रीसोम ने क्षत्रपों को परास्त कर षष्ठीरात्र यज्ञ का आयोजन करवाया।
(1) बड़ली शिलालेख
(2) नादंसा यूप स्तम्भ शिलालेख
(3) बसंतगढ़ शिलालेख
(4) घोसुण्डी शिलालेख (2)

2. मालव जनपद का प्राचीन नाम था?
(1) अवंति (2) पांचाल
(3) मगध (4) मल्ला (1)

3. राजस्थान के किन वर्तमान जिलों में यौद्धेय जनपद का विस्तार रहा है?
(1) श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ (2) अलवर, भरतपुर
(3) जयपुर, दौसा (4) चित्तौड़गढ़, उदयपुर (1)

व्याख्या– राजस्थान के उत्तरी भाग (श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़) का यौधेय भी एक शक्तिशाली गणतंत्रीय कबीला था। इनका राज्य सहारनपुर (उत्तरप्रदेश) तक विस्तृत था, जहाँ से इनकी मुद्राएँ मिली है।

4. कुरू जनपद का विस्तार राजस्थान में कहाँ था?
(1) पूर्वी अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर
(2) जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर का कुछ हिस्सा
(3) अलवर, भरतपुर
(4)अलवर का उत्तरी भाग (4)

5. मत्स्य जनपद का विस्तार राजस्थान के किन भागों में था?
(1) अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर
(2) जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर का कुछ हिस्सा
(3) अलवर, भरतपुर
(4) अलवर का उत्तरी भाग (2)

व्याख्या– मत्स्य जनपद का विस्तार अलवर (दक्षिणी व पश्चिमी भाग), जयपुर, भरतपुर, धौलपुर का कुछ हिस्सा इसमें शामिल था। इनकी राजधानी बैराठ (विराटनगरी) थी।

6. अर्जुनायन जनपद का विस्तार राजस्थान में कहाँ पर था?
(1) पूर्वी अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर
(2)अलवर, भरतपुर
(3) भरतपुर
(4) अलवर का उत्तरी भाग (2)

7. निम्न में से कौनसा कथन मालव जनपद के सम्बन्ध में असत्य है?
(1) इनका मूल स्थान काबुल था।
(2) मालव जनपद समुद्रगुप्त के समय तक स्वतंत्र रहा था।
(3) मालवों द्वारा 57 ईस्वी. पूर्व को मालव संवत के रूप में उपयोग किया था।
(4) नगर(टोंक) से मालव जनपद की 6000 ताम्र मुद्रायें मिली हैं। (1)

व्याख्या– मालव जनपद का मूल स्थान पंजाब था।

8. निम्न में से मत्स्य जनपद किस राज्य में स्थित है?
(1) बिहार (2) उत्तरप्रदेश
(3) राजस्थान (4) मध्यप्रदेश (3)

9. चीनी यात्री ह्वेनसांग जिसने भीनमाल की यात्रा की थी, भीनमाल को क्या नाम दिया था?
(1) पोलोमिलो (2) यौद्धेय प्रदेश
(3) श्रीमाल (4) शुरसेन (1)

10. रामायण तथा महाभारत काल में राजस्थान में कौन कौन से प्रदेश विद्यमान थे?
(1) मरूप्रदेश (2) जांगलदेश
(3) मत्स्यप्रदेश (4) उक्त सभी (4)

11. वर्धन वंश का संस्थापक किसे माना जाता है?
(1) हर्षवर्धन (2) रूद्रदामा
(3) प्रभाकरवर्धन (4) पुष्यवर्धन (3)

12. सिकंदर के आक्रमण के समय तक्षशिला के शासक कौन थे?
(1) सुदास (2) रूद्रदामन प्रथम
(3) अम्भी (4) रूद्रदामन द्वितीय (3)

13. नगरी जिसका प्राचीन नाम 'मध्यमिका' था, किस जिले में स्थित है?
(1) टोंक (2) उदयपुर
(3) जयपुर (4) चित्तौड़गढ़ (4)

14. राजस्थान में कुषाण शक्ति को सम्भवतः नष्ट करने में कौनसा जनपद सफल रहा था?
(1) यौद्धेय (2) शिवी
(3) अर्जुनायन (4) मालवा (1)

15. कुषाण, पलहव व शकों को सम्मिलत रूप से क्या कहा जाता है?
(1) कुषाण (2) हाटक
(3) सीथियन (4) कुलसक (3)

16. प्राचीन ऐतिहासिक स्थल 'आश्रम पट्टन' की आधुनिक पहचान है?
(1) सांभर (2) केशवरायपाटन
(3) विराटनगर (4) शिवपुर (2)

17. कनिष्क प्रथम व कनिष्क तृतीय की मुद्राए कहाँ से प्राप्त हुई है?
(1) लोथल (2) चेदि
(3)रंग महल (4) गांधार (3)

18. निम्न में से शाल्व जनपद की राजधानी (महाभारत के अनुसार) थी?
(1) मृत्तिकावती (2) विदेह
(3) पुष्करायण (4) मिथिला (1)

19. शक सम्वत किस शासक की देन है?
(1) चद्रगुप्त मौर्य (2) स्कंदगुप्त
(3) कनिष्क (4) अशोक (3)

व्याख्या– कनिष्क के शिलालेख के अनुसार 83 ई. से 119 ई. तक पूर्वी राजस्थान में कुषाण वंश का शासन था। 78 ई. में कनिष्क ने शक संवत् चलाया था।

20. ऋग्वेद में वर्णित कौनसी दो नदियाँ सम्भवत: राजस्थान में बहती थी?
(1) सरस्वती व द्रव्यवती (2) सरस्वती व गंगा नदी
(3) हुगली व द्रव्यवती (4) सरस्वती व दृषद्वती (4)

21. वर्तमान अलवर जिला प्राचीन काल में किस नाम से जाना जाता था?
(1) उलुक प्रदेश (2) थली
(3) अलुक प्रेदश (4) मल्ल (1)

22. राजस्थान का कौनसा जिला परशुराम की तपस्या स्थली से जुड़ा हुआ है?
(1) बूँदी (2) अलवर
(3) कोटा (4) भरतपुर (3)

व्याख्या– परशुराम ने राजस्थान के कोटा जिले के जंगलों में तपस्या की थी।

23. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है–

जनपद	राजधानी
(1) कम्बोज	– हाटक
(2) काशी	– वाराणसी
(3) कौशल	– मल्ल
(4) मत्स्य	– विराटनगर (3)

व्याख्या– कौशल जनपद की राजधानी श्रावस्ती/अयोध्या थी।

24. निम्न में से 16 महाजनपदों में सर्वाधिक शक्तिशाली महाजनपद था?
(1) शूरसेन (2) मगध
(3) कुरू (4) कम्बोज (2)

25. प्राचीन मान्यता के अनुसार राम द्वारा परित्याग के बाद सीता ने अपने निर्वासित जीवन का कुछ समय राजस्थान के ..... जिले में बिताया था।
(1) बारां (2) प्रतापगढ़
(3) चुरू (4) टोंक (1)

व्याख्या– राम द्वारा परित्याग के बाद सीता ने अपने निर्वासित जीवन का कुछ समय बारां जिले के केलवाड़ा में स्थित 'वाल्मीकि आश्रम' में बिताया था।

26. पाण्डवों ने अपने अज्ञातवास का 13 वाँ वर्ष भेष बदल कर मत्स्य देश के किस राजा के दरबार में व्यतीत किया था?
(1) चंद्रगुप्त मौर्य (2) राजा विराट
(3) समुद्र गुप्त (4) सम्राट अशोक (2)

व्याख्या– जयपुर के निकट आधुनिक बैराठ महाभारतकालीन मत्स्य जनपद की राजधानी थी, जहाँ पर राजा विराट का राज्य था। यहाँ पर पाडण्वों ने अपने अज्ञातवास का 13 वाँ वर्ष भेष बदल कर मत्स्य देश के राजा विराट के दरबार में ही व्यतीत किया था।

27. महाभारत काल में कुरू जनपद की राजधानी थी?
(1) मथुरा (2) विराटनगरी
(3) शिवपुर (4) हस्तिनापुर (4)

28. मत्स्य जनपद का सर्वप्रथम उल्लेख किसमें मिलता है?
(1) महाभारत में (2) ऋग्वेद में
(3) शतपथ ब्राह्मण उपनिषद् (4) अथर्ववेद में (2)

29. निम्न में कौन–सी राजस्थान के शिवी जनपद की राजधानी थी?
(1) धौलपुर (2) विराटनगरी
(3) मध्यमिका (4) इन्द्रप्रस्थ (3)

30. राजस्थान का वह स्थान जो पहले विराटनगर से जाना जाता था, जहाँ पर पांडवों ने अज्ञातवास का एक वर्ष बिताया था, आज किस नाम से जाना जाता है?
(1) भीनमाल (2) बैराठ
(3) मत्स्य (4) द्रोणपुर (2)

Dhindhwal Publication